भारत सरकार

भारी उद्योग मंत्रालय

लोकसभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 303

22.07.2025 को उत्तर के लिए नियत

दुर्लभ भू-धातुओं के घरेलू उत्पादन को बढ़ाना

303. श्री बाबू सिंह कुशवाहा:

क्या **भारी उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या चीन द्वारा दुर्लभ भू-धातुओं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने के पश्चात् भारत ने इनके घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सात वर्षीय योजना की रूपरेखा तैयार की है;

(ख) यदि हाँ, तो इस योजना के मुख्य उद्देश्य, समय-सीमा और कार्यान्वयन एजेंसियों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का उक्त योजना के अंतर्गत रक्षा, इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वच्छ ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में स्वदेशी आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु एक समर्पित नीति तैयार करने का विचार है; और

(घ) यदि नहीं, तो क्या सरकार इन क्षेत्रों पर निर्भरता कम करने के लिए किसी वैकल्पिक रणनीति पर विचार कर रही है?

उत्तर

भारी उद्योग राज्य मंत्री

(श्री भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा)

(क) से (ग): नीति आयोग और परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के अंतर्गत भारतीय रेयर अर्थ लिमिटेड (आईआरईएल) ने "दुर्लभ भू-तत्वों का उपयोग करके डाउनस्ट्रीम उद्योग की स्थापना हेतु प्रोत्साहन ढाँचे" पर एक दस्तावेज़ तैयार किया है। इसके अलावा, डीएई के अंतर्गत आईआरईएल ने देश में विशेष रूप से रक्षा और परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में उपयोग के लिए स्वदेशी संसाधनों से समारियन-कोबाल्ट चुम्बकों के उत्पादन हेतु एक रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट (आरईपीएम) संयंत्र स्थापित किया है।

(घ): प्रश्न ही नहीं उठता।

*****